एक नजर में

हिमालय गिरी महाराज का हुआ स्वागत

उज्जैन। बड़ा पुल स्थित श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के जगतगुरु पंचानंद गिरी महाराज के कामाख्या तंत्र पीठ आश्रम पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जूना अखाड़ा के कामाख्या पुत्र हिमालय गिरी महाराज ने उज्जैन से जाकर राजस्थान के जैसलमेर जिले स्थित श्री नभ डूंगर माताजी शक्तिपीठ मंदिर में 10 माह तक सनातन धर्म एवं विश्व कल्याण के लिए तपस्या की। नितेश कुमार ने बताया कि 10 माह की तपस्या पूर्ण होने के बाद जूना अखाड़ा के कामाख्या पुत्र हिमालय गिरी महाराज का उज्जैन आगमन पर श्रद्धालुओं एवं भक्त जनों ने गुरु महाराज का पूजन कर फूल-मालाओं से अभिनंदन किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर हिमालय गिरी महाराज ने कहा कि साधु-संत अपनी तपस्या व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि सनातन धर्म और विश्व कल्याण के लिए करते हैं। जिस स्थान पर गुरु महाराज ने तपस्या की, वह अत्यंत प्राचीन और आध्यात्मिक महत्व का स्थल है। वहां आज भी कई ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक रहस्य मौजूद हैं। तपस्या के दौरान ग्रामवासियों ने 40 किलोमीटर दूर से पानी लाकर सहयोग किया, जिसके लिए उन्होंने ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। गुरु महाराज ने उज्जैन में हो रहे विकास कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप 2028 सिंहस्थ को लेकर शहर में भव्य विकास कार्य किए जा रहे हैं। विशेष रूप से शिप्रा शुद्धिकरण अभियान ऐतिहासिक है और इस बार का महाकुंभ भव्य स्वरूप में आयोजित होगा। इस अवसर पर राजस्थान से पूर्व सरपंच सुजान सिंह हड्डा, कल्याण सिंह चौहान, शिवरतन सिंह बारु सहित आश्रम से जुड़े अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सिंधी में सुनी सात दिवसीय भागवत कथा

उज्जैन। पूज्य सिंधी भाईबंध पंचायत के तत्वावधान में अब्दालपुरा स्थित संत लीला शाह कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में चल रही भागवत कथा का विधिवत समापन हो गया। पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में आयोजित इस कथा में शिव धारा आश्रम अमरावती के डॉ. संतोष देव महाराज ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया। इस आयोजन में महाकाल सिंधी कालोनी निवासी 66 वर्षीय मराठी भाषी मिलिंद पन्हालकर ने सिंधी भाषा के प्रति अपने अनूठे प्रेम की मिसाल पेश की। मराठी मूल के होने के बावजूद पन्हालकर ने सातों दिन पूरी तन्मयता से सिंधी में भगवत कथा का श्रवण किया। सिंधी भाषा से उनका यह प्रेम इतना गहरा है कि वे इस उम्र में भी पिछले तीन वर्षों से सिंधी सीखने के लिए नियमित कक्षाओ में जा रहे हैं। कथा के अंतिम दिन पन्हालकर ने महाराज की आरती उतारी। उनके इस भाषा प्रेम और समर्पण को देखते हुए डॉ. संतोष देव महाराज ने उन्हें विशेष आशीर्वाद दिया और मिश्री प्रसादी, गुरु महाराज का सिक्का व पवित्र जल भेंट किया। आयोजन के दौरान पन्हालकर ने सेवाभाव का परिचय भी दिया। उन्होंने कथा श्रवण करने आए बुजुर्ग श्रद्धालुओं को आयोजकों की व्यवस्था में सहयोग करते हुए छाछ एवं जल पिलाया। उन्होंने इतने भव्य और सफल धार्मिक आयोजन के लिए पूज्य सिंधी भाईबंध पंचायत और अन्य सभी आयोजकों का विशेष आभार व्यक्त किया है।

जितेश कजावत बने अध्यक्ष

उज्जैन। श्री दिगंबर जैन हुमड़ समाज ट्रस्ट के आगामी कार्यकाल के लिए चुनाव प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में निर्विरोध संपन्न हो गई है। निर्वाचन में समाजजनों और ट्रस्टियों की सर्वसम्मति से जितेश जैन कजावत को ट्रस्ट का नया अध्यक्ष चुना गया है। उनके साथ ही सुभाष शाह को सचिव और प्रदीप डागरिया को कोषाध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी दिलीप भाचावत ने निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद औपचारिक रूप से नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। इस अवसर पर ट्रस्ट के निवर्तमान अध्यक्ष अनिल दोषी सहित अन्य सभी ट्रस्टीगण विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर ट्रस्ट के निवर्तमान अध्यक्ष अनिल दोषी सहित अन्य सभी ट्रस्टीगण विशेष रूप से उपस्थित थे।

आस्था, संस्कृति और जल संरक्षण का होगा संगम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कल करेंगे समापन में सहभागिता, आज से दो दिवसीय शिप्रा तीर्थ परिक्रमा कल गंगा दशहरा

उज्जैन। धार्मिक नगरी में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज से दो दिवसीय शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ होगा। यात्रा का प्रारंभ प्रातः रामघाट पर ध्वज पूजन के साथ किया जाएगा, जबकि 26 मई को गंगा दशहरा पर्व पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल होकर मां शिप्रा का पूजन-अर्चन एवं चुनरी अर्पित करेंगे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज और महामंत्री हरि गिरि महाराज भी उज्जैन आए हैं, नीलगंगा सरोवर पर भी कार्यक्रम होगा, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे।

नवभारत से चर्चा में विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी ने बताया कि परिक्रमा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि जल संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता का जन आंदोलन बनती जा रही है। यात्रा में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। शहरभर में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संगठनों द्वारा जगह-जगह स्वागत की तैयारियां की गई हैं। भजन मंडलियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और हरिकथा आयोजन यात्रा को भक्तिमय वातावरण प्रदान करेंगे।

जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन द्वारा यात्रा को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यात्रा मार्ग में पेयजल, छांव, भोजन, ओआरएस, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा, साफ-सफाई, संकेतक बोर्ड और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर रोशन सिंह ने रविवार शाम रामघाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। यात्रा के संयोजक नरेश शर्मा ने बताया कि परिक्रमा यात्रा रामघाट से प्रारंभ होकर नृसिंह घाट, कर्कराज मंदिर, वेधशाला, नानाखेड़ा, महामृत्युंजय द्वार, प्रशांति धाम, शनि मंदिर, चिंतामण, भूखीमाता, दत्त अखाड़ा, सिद्धवट, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम, गढ़कालिका, महाकाल मंदिर और हरसिद्धि होते हुए पुनः रामघाट पहुंचेगी। यात्रा के दौरान विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

गांव-गांव में कार्यक्रम, अभियान जन आंदोलन का रूप ले चुका

जिलेभर के वार्डों और ग्राम पंचायतों में गंगा दशहरा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, कलश यात्रा, जल शपथ, श्रमदान, घाट सफाई और जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, महिला समूहों और विद्यार्थियों की भागीदारी से यह अभियान जन आंदोलन का रूप ले चुका है। शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के माध्यम से एक बार फिर यह संदेश दिया जाएगा कि जल ही जीवन है और जल संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज का सामूहिक धर्म है।

पानी बचाने का संकल्प-टॉप 5 में आया उज्जैन

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे पानी की हर बूंद बचाने का संकल्प लें। घरों, दुकानों, होटलों, धर्मशालाओं, अस्पतालों और स्कूलों की छतों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाकर वर्षा जल को संरक्षित करें, ताकि भूजल स्तर बढ़ सके और आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना न करना पड़े। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उज्जैन जिला प्रदेश के टॉप-5 जिलों में शामिल हुआ है। अभियान के अंतर्गत कुंओं, बावड़ियों, तालाबों और प्राचीन जल संरचनाओं की सफाई एवं जीर्णोद्धार किए जा रहे हैं।

सब जूनियर राज्य बालिका बास्केटबॉल स्पर्धा शुरू

उज्जैन। मध्य प्रदेश राज्य बास्केटबॉल एसोसिएशन और उज्जैन कॉरपोरेशन एरिया बास्केटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में अस्मिता सब जूनियर राज्य बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता का महानंदा नगर स्थित बास्केटबॉल एरीना में शानदार शुभारंभ हुआ। संगठन की सचिव ऋतु शर्मा ने बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश भर की 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

उद्घाटन समारोह के पश्चात प्रतियोगिता के रोमांचक मैच खेले गए। पहले मुकाबले में उज्जैन कॉरपोरेशन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रतलाम कॉरपोरेशन को 24-04 के स्कोर से हराया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विक्रम विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्य राजेश सिंह कुशवाह थे। अध्यक्षता अविनाश आनंद ने की।

मार्च पास्ट-सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

इससे पूर्व, उद्घाटन समारोह की शुरुआत खिलाड़ियों द्वारा बैंड की धुन पर निकाले गए आकर्षक मार्च पास्ट से हुई। उज्जैन कॉरपोरेशन टीम की कप्तान मेहरप्रीत कौर सचदेवा ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाई। अतिथियों ने आकाश में गुब्बारे छोड़कर और विधिवत घोषणा कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर देवयानी गौर, ख्याति पाटीदार और कलाकारों द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

माहेश्वरी सभा के चुनाव को लेकर छप गई भ्रामक खबर

▶ 30 नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों ने किया नवीन इकाई का बहिष्कार

उज्जैन। श्री माहेश्वरी सभा गोला मंडी और माहेश्वरी समाज नृसिंह मंदिर के चुनाव अभी नहीं हुए हैं, लेकिन समाचार पत्रों में श्री माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न होने की खबर प्रकाशित हुई है। जानकारी के अभाव में प्रकाशित यह समाचार समाज के सदस्यों को भ्रमित करने वाला और त्रुटिपूर्ण है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाल ही में जो चुनाव संपन्न हुए हैं, वे अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के दिशा-निर्देशों पर एकीकृत नगर माहेश्वरी सभा उज्जैन के हुए हैं। उज्जैन में माहेश्वरी समाज वर्षों से दो समूहों- माहेश्वरी सभा गोला मंडी चारभुजा नाथ मंदिर और माहेश्वरी समाज सर्राफा नृसिंह मंदिर में संचालित है। दोनों समूहों के ट्रस्ट और उनके रजिस्ट्रेशन पृथक-पृथक हैं। गौरतलब है कि 3 मई को अखिल भारतीय महासभा के निर्देश पर एकीकृत नगर माहेश्वरी समाज उज्जैन के चुनाव संपन्न हुए थे, जिसमें 71 प्रतिनिधि चुने गए थे। इस चुनाव में मतगणना की विसंगतियों को लेकर माहेश्वरी पैनल के प्रत्याशी सत्यनारायण सोमानी, प्रदीप आगीवाल और अभिषेक मूंदड़ा ने उज्जैन न्यायालय में वाद दायर किया है। मामले की अगली सुनवाई 19 जून तय की गई है। इस प्रकरण में केंद्रीय चुनाव अधिकारी सतीश चरखा जलगांव, प्रदेश चुनाव अधिकारी महेश तोतला इंदौर, चंद्र प्रकाश लड्डा महू, जिला निर्वाचन अधिकारी गोविंद मोहता नागदा और स्थानीय चुनाव अधिकारी शैलेंद्र राठी व दिलीप झंवर उज्जैन को पक्षकार बनाया गया है। न्यायालय और अधिवक्ता के माध्यम से इन्हें नोटिस भी भेजे जा चुके हैं। न्यायालय में वाद विचाराधीन होने के बावजूद, जिला निर्वाचन अधिकारी गोविंद मोहता ने 24 मई को एकीकृत नगर माहेश्वरी समाज उज्जैन की नवीन इकाई का गठन कर दिया। वैधानिक तौर पर इसे गलत बताते हुए माहेश्वरी पैनल के 30 नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों ने इसका कड़ा विरोध किया।

मां घर लौटी तो फंदे पर लटका था पुत्र का शव

उज्जैन। बीती शाम नाबालिग ने घर का दरवाजा बंद करने के बाद फांसी लगा ली। मां घर लौटी तो घटना का पता चला। दरवाजा तोड़कर नाबालिग का शव फंदे से उतारा गया। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि चकोर पार्क के पास रहने वाले परिवार की सूचना पर पुलिस देर शाम घटनास्थल पहुंची थी। इस दौरान सामने आया कि 15 साल के प्रणव उर्फ बाबू पिता शंकर सुराठे ने दरवाजा बंद कर फांसी लगाई है। पुलिस ने परिवार की मौजूदगी में दरवाजा तोड़कर नाबालिक का शव फंदे से उतारा और अस्पताल पहुंचाया। मां नीतू ने बताया कि वह घरों में काम करती है। शाम को जब घर लौटी तो दरवाजा बंद था नहीं खुलने पर उसने केसर बाग में रहने वाली अपनी बहन को बुलाया था। खिड़की से देखने पर पुत्र बाबू फंदे पर लटका हुआ था। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया कि दोपहर में बाबू साइकिल चला रहा था घर लौट के बाद उसने खाना खाया और बचा हुआ खाना भी फ्रिज में रखा था। जानकारी यह सामने आई है कि उसकी एक बहन है खेलने के दौरान विवाद होने पर संभवत उसने फांसी लगाई है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। नाबालिग का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सोपा गया है।

पुलिस की कॉम्बिंग गश्त : रातभर में 195 वारंटी पहुंचे सलाखों में

▶ जिले में 600 पुलिस कर्मियों ने की गश्त, गुंडे बदमाशों को किया चेक

उज्जैन। जिले में अपराधों की रोकथाम, फरार आरोपियों की धरपकड़, निगरानी बदमाशों पर नियंत्रण के उद्देश्य से बीती रात पुलिस द्वारा कॉम्बिंग गश्त की गई। जिसमें 85 स्थायी वारंट एवं 110 गिरफ्तारी वारंट तामिल कराए गए। हत्या और हत्या के प्रयास में फरार 4 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि कॉम्बिंग गश्त जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में एक साथ योजनाबद्ध तरीके से की गई। इस दौरान 600 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं जवान रातभर अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर कार्रवाई करते रहे।

गश्त के पूर्व चिन्हित अपराधियों, फरार आरोपियों, वारंटियों एवं निगरानी बदमाशों की सूची तैयार कर टीमों का गठन किया गया। रात में अलग-अलग टीमों ने संभावित ठिकानों पर दबिश देकर प्रभावी कार्रवाई कर 85 स्थाई वारंट तामील कर संबंधित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं 110 गिरफ्तारी वारंटों की तामील करते हुए फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गश्त के दौरान 5 वसूली वारंट भी तामिल कराए गए। जिले में 150 से अधिक निगरानी बदमाश, गुंडा बदमाश एवं चाकूबाज अपराधियों के घर जाकर पुलिस द्वारा सत्यापन एवं चेकिंग की गई। गश्त के दौरान थाना पंवासा क्षेत्र के जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे बंटी उर्फ युवराज पिता जसवंत सिंह राजपूत निवासी ग्राम रूदाहेड़ा और रणजीत सिंह पिता गोवर्धन सिंह राजपूत निवासी ग्राम रूदाहेड़ा को गिरफ्तार करने में

गंभीर अपराधों में शामिल बदमाशों की जांच

टीमों ने उनके वर्तमान गतिविधियों, निवास एवं आपराधिक व्यवहार की जानकारी एकत्रित कर उन्हें आपराधिक गतिविधि से दूर रहने की सख्त समझाइश दी। हत्या, लूट, नकबजनी, अवैध हथियार एवं अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त 20 से अधिक आरोपियों की विशेष चेकिंग की गई। अभियान के दौरान 50 से अधिक जिलाबदर आरोपियों की चेकिंग एवं सत्यापन किया गया। कॉम्बिंग गश्त अभियान के दौरान पुलिस द्वारा गंभीर अपराधों में फरार चल रहे 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा तराना के कियोस्क सेंटर में तोड़फोड़

उज्जैन। तराना थाना क्षेत्र के मंत्री गली में बैंक ऑफ बड़ौदा का कियोस्क सेंटर सूरज पिता सीताराम चांदना जाति गुर्जर निवासी ग्राम बगोदा द्वारा संचालित किया जाता है। देर शाम सेंटर पर गुर्जर समाज के तीन बदमाश इंदर पिता हरलाल निवासी छापरी, जितेंद्र पिता चंदरसिंह निवासी बंजारी और महेश पिता रघुनाथ गुर्जर निवासी ग्राम मोया माकड़ोन पहुंचे और कियोस्क संचालक सूरज से सेंटर चलाने के एवज में रूपयो की मांग करने लगे। जिसको लेकर विवाद की स्थिति बन गई। तीनों बदमाशों ने सूरज के साथ मारपीट की और सेंटर में तोड़फोड़ कर दी, यही नहीं सूरज ने भी अपने साथियों के साथ मिलकर विरोध किया और अवैध रुपयों की मांग करने वाले बदमाशों को पीट दिया। कियोस्क सेंटर पर हुई तोड़फोड़ और अवैध रुपयों की मांग करने वाले बदमाशों के खिलाफ तराना पुलिस ने सूरज चांदना की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है।

बताया जा रहा है कि मारपीट और तोड़फोड़ करने वाले दो बदमाश इंदर और जितेंद्र भी घायल हुए हैं, जो उज्जैन अस्पताल जाकर भर्ती हो गए। महेश फरार है। जानकारी सामने आई है कि गुर्जर समाज के आरोपी बदमाश प्रवृति के है और तराना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में अवैध वसूली का काम करते हैं इनके द्वारा पवन चक्की कार्यालय पर पहुंचकर भी रूपयो की मांग की जाती है। पूर्व में भी इनके खिलाफ प्रकरण दर्ज हो चुके हैं।

आम के पेड से गिरे वृद्ध की मौत

उज्जैन। नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम मतानाकला में शनिवार दोपहर को केरी तोड़ने के लिये आम के पेड़ पर चढ़ा वृद्ध रमेश पिता शंकरलाल टिपानिया 57 साल करीब 15 फीट ऊंचाई से संतुलन बिगड़ने पर नीचे गिर गया। उसे गंभीर चोट लगने पर परिजन देवासरोड स्थित निर्मला मिशन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां परीक्षण के दौरान रमेश की मौत होना सामने आया। मामले में नागझिरी थाना एएसआई पुरूषोत्तम शर्मा ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने पर मर्ग कायम कर मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। जांच के लिये मर्ग डायरी नरवर थाना पुलिस को सौंपी जायेगी।

ऋग्वेद संहिता स्वाहाकार की हुई पूर्णाहुति

उज्जैन। श्री गणेश वैदिकाश्रम उज्जयिनी द्वारा प्रतिवर्षानुसार मनाए जाने वाले श्री क्षिप्रा गंगा उत्सव के अंतर्गत रविवार को ऋग्वेद संहिता स्वाहाकार की पूर्णाहुति हुई। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के मूल उद्देश्य से यह पुनीत कार्य पूर्णतः निःस्वार्थ भावना से आयोजित किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान को महाराष्ट्र के नांदेड़ के शंखतीर्थकर आचार्य वेदमूर्ति नीलेश रामराव जोशी के आचार्यत्व में किया गया। उनके साथ सिद्धविनायक टाकलीकर, सौरभ मुले, अंबाजोगाई के वेदमूर्ति रोहित केजकर, हिंगोली के वेदमूर्ति सारंग शार्दूल और नांदेड़ के वेदमूर्ति अथर्व कुलकर्णी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां प्रदान कीं। इस स्वाहाकार के मुख्य यजमान दिलीप सामक परिवार रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच एक-दूजे के हुए तुलसी-शालिग्राम

▶ पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर
▶ किया धार्मिक आयोजन

उज्जैन। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्री वल्लभ वैष्णव मंडल, युवा मंडल एवं महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में भव्य चवरी मनोरथ और तुलसी-शालिग्राम विवाह अत्यंत धूमधाम से मनाया गया। मुख्य मनोरथी युगल ग्रुप द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि सर्वप्रथम सुरभि गार्डन से भगवान शालिग्राम जी की बारात गाजे-बाजे, आतिशबाजी और घोड़ी-

बैंड के साथ निकाली गई। यह शोभायात्रा अंकपात मार्ग स्थित श्री आचार्य महाप्रभु जी की बैठक पहुंची, जहां बारात का स्वागत किया गया। इसके पश्चात पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तुलसी-शालिग्राम विवाह करवाया गया। विवाह प्रसंग में शालिग्राम जी के माता-पिता बनने का सौभाग्य हेमंत-वर्तिका नागर, अखिलेश-ज्योति नागर और आभास-लक्ष्मी शर्मा को प्राप्त हुआ। कन्यादान की रस्म विशाल-नूपुर नीमा और अम्बरीष-सुरभि जवेरी ने निभाई। मंडल के विठ्ठल नागर के नेतृत्व में हुए इस आयोजन को सफल बनाने में आनंद पुरोहित, राजेंद्र शाह, पारुल शाह, दीपा नागर सहित सभी मंडल का विशेष योगदान रहा।

दर्शन करने निकले युवकों की खंती में गिरी कार

▶ बदनावर बायपास पर हादसा, एक
▶ की मौत से घायल

उज्जैन। आज तड़के 4 बजे के लगभग इंदौर उज्जैन मार्ग बदनावर बायपास पर स्कॉर्पियो ब्रिज के नीचे खंती में जा गिरी। एक युवक की मौत हुई है। छह घायल हुए हैं, दो की हालत गंभीर होने पर इंदौर रेफर किया गया है।

इंदौर के लसुडिया में रहने वाले साथ दोस्त स्कॉर्पियो में सवार होकर सांवरिया सेठ जाने के लिए निकले थे। उज्जैन पहुंचने के बाद बदनावर बायपास से गुजरते समय ब्रिज पर अचानक स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो गई और नीचे खंती में जा गिरी। घटनाक्रम की जानकारी लगते ही नानाखेड़ा थाना पुलिस की डायल 112 मौके पर पहुंच गई। स्कॉर्पियो में सवार सातों दोस्तों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां एक की मौत होना सामने आया।

घायलों ने बताया कि सभी दोस्तों ने कुछ दिन पहले ही सांवरिया सेठ दर्शन का प्लान बनाया था। स्कॉर्पियो निलेश चल रहा था बायपास मार्ग से गुजरते समय रास्ते में मृत गाय पड़ी थी अचानक गाड़ी के सामने दिखाई देने पर निलेश ने बचाने का प्रयास किया जिसके चलते संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी नीचे गिर गई।

घायलों में पीयूष और निलेष की हालत गंभीर

घायलों से पूछताछ करने पर मृतक का नाम विशाल पिता दिनेश परिहार 18 साल निवासी लसुडिया इंदौर है। घायलों में शामिल पीयूष और नीलेश को हालत गंभीर होने पर इंदौर रेफर किया गया है। चंदन आयुष मिलन और ओम का उपचार चरक अस्पताल में चल रहा है। परिजनों के आने पर पता चला कि एक दोस्त का जन्मदिन होने पर सभी सांवरिया सेठ के दर्शन करने के लिए रात 2बजे के लगभग इंदौर से निकले थे। प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सूर्यवंशी ने बताया कि घटना में मृत युवक का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजन इंदौर से उज्जैन पहुंच गए थे। मामले की जांच की जा रही है।

एक नजर में ▶ गर्भगृह छोटा होने से भीड़ बढी, अब शनिवार-रविवार को सिर्फ प्रोटोकॉल से होंगे दर्शन; शीघ्र दर्शन की योजना पर विचार

कालभैरव में 500 रुपए के शीघ्र दर्शन से 5 दिन में 25 लाख की आय

उज्जैन। कालभैरव मंदिर में 20 मई से शुरू हुई 500 रुपए की शीघ्र दर्शन व्यवस्था से मंदिर समिति को महज पांच दिनों में लगभग 25 लाख रुपए की आय हुई है। भीड़ और गर्भगृह में दबाव बढ़ने के कारण अब प्रत्येक शनिवार और रविवार को आम दर्शनार्थियों के लिए 500 रुपए वाली शीघ्र दर्शन व्यवस्था स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। अब वीकेंड पर यह सुविधा केवल प्रोटोकॉल दर्शनार्थियों को ही मिलेगी।

शनिवार और रविवार को मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या अचानक बढ़ गई थी, जिसके चलते कई बार शीघ्र दर्शन लाइन को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। क्षेत्रीय पटवारी व मंदिर व्यवस्थापक महेश देपन के अनुसार, शनिवार को एक ही दिन में 1876 दर्शनार्थियों ने 500 रुपए की रसीद कटवाकर दर्शन किए। इससे मंदिर समिति को एक दिन में 9 लाख 38 हजार रुपए की आय हुई। रविवार को भी लाखों रुपए की आय प्राप्त हुई है, जबकि पूरे सप्ताह का अंतिम आंकड़ा आना अभी बाकी है।

गर्भगृह में भीड़ के दबाव को देखते हुए मंदिर समिति अब शीघ्र दर्शन के लिए एक नई वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार कर रही है। इसके तहत शीघ्र दर्शन के दर्शनार्थी को गर्भगृह में प्रवेश नहीं देते हुए, बाहर से ही बिना कतार के दर्शन कराए जाएंगे। इसके लिए 250 रुपए रखने पर विचार किया जा रहा है। कलेक्टर की सहमति के बाद इस नई व्यवस्था को जल्द ही लागू कर दिया जाएगा।

गर्भगृह छोटा होने से बन रही थी अव्यवस्था

कालभैरव मंदिर का गर्भगृह काफी छोटा है। यहां दो दरवाजे हैं। एक दरवाजे से आम श्रद्धालु बाहर से दर्शन करते हैं, जबकि दूसरे दरवाजे से शीघ्र दर्शन वाले श्रद्धालु अंदर जाकर दर्शन करते हैं और उसी से वापस लौटते हैं। इस कारण गर्भगृह में व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही थीं। व्यवस्थापक महेश देपन और मंदिर प्रशासक संध्या मार्कण्डय द्वारा लागू की गई। इस व्यवस्था से आय में हुई रिकॉर्ड वृद्धि पर कलेक्टर रोशन कुमार सिंह एवं एडीएम एलएन गर्ग ने संतोष व्यक्त किया है। साथ ही श्रद्धालुओं को और राहत देने के लिए व्यवस्थाओं में बदलाव के निर्देश दिए हैं।